

भारत सरकार  
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 1440  
गुरुवार, दिनांक 15 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने हेतु

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना

1440. श्री डी.एम. कथीर आनन्द:

श्री अनुराग शर्मा: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान पूरे देश में केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों के निजी संस्थानों के भवनों में प्रस्तावित और निष्पादित अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का ऐसे नए नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को सरकारी/निजी क्षेत्रों के लिए अनिवार्य बनाने के लिए स्वीकृत करने का विचार है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार ने देश में नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में कुशल और लागत प्रभावी सोलर फोटोवोल्टिक माइयूल्स और पवन धारा प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त अवधि के दौरान किए गए अध्ययनों और वार्षिक रूप से कार्यान्वित की गई परियोजनाओं का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री  
(श्री आर.के. सिंह)

(क) अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं में, सामान्यतः भवनों में रूफटॉप सौर की स्थापना की जाती है। विगत 5 वर्षों के दौरान और वर्तमान वित्तीय वर्ष में दिनांक 30.11.2022 तक, देश में संघ और राज्य सरकारों, निजी संस्थानों, वाणिज्य, औद्योगिक, सामाजिक, आवासीय, इत्यादि सहित विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं के भवनों/परिसरों में लगभग 6.64 गीगावाट ग्रिड संबद्ध सौर संयंत्र स्थापित किए जाने की सूचना दी गई है।

(ख) और (ग): नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों से सभी विभागों एवं संस्थानों को अपने भवनों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए आवश्यक निदेश जारी करने का अनुरोध किया है।

अब तक, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश सहित चार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने ऊपर की इमारतों कुछ खास भू-खंडों में बने भवनों/उन से जुड़े लोड के लिए रूफटॉप सौर संयंत्र की स्थापना को अनिवार्य बनाते हुए अधिसूचना जारी की है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली और झारखंड ने अपनी रूफटॉप सौर नीति में सौर स्थापना को अनिवार्य बनाने के प्रावधान शामिल किए हैं।

(घ) और (ङ): हालांकि, कुशल, किफायती सौर पीवी माइयूल्स और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकियों के प्रभावों का पता लगाने के लिए कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है। तथापि, सरकार ने, सौर विद्युत उत्पादन में उपयोग में लिए जा रहे सौर माइयूल्स के लिए और पवन उपकरणों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित किए हैं। इसके अलावा, आर एंड डी के माध्यम से और अधिक कुशल एवं किफायती सौर एवं पवन टर्बाइनों के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

\*\*\*\*\*